प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मनीषा ने मेरे निर्देशन में पीएच.डी. (हिंदी) उपाधि हेतु **''भारतीय संस्कृति के विकास में आल्वार संतों तथा अष्टछाप कवियों का योगदान (विशेष संदर्भ : पेरियाल्वार और सूरदास का तुलनात्मक अध्ययन)''** शीर्षक पर शोधकार्य किया है। यह शोध कार्य इनके मौलिक प्रयास का प्रतिफलन है।

मैं शोध प्रबन्ध की मौलिकता और प्रतिपादित तथ्यों की उपयोगिता को दृष्टिगत कर इसे मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करने की संस्तुति करता हूँ।

शोध निर्देशकः

डॉ. अरविन्द सिंह तेजावत

सहायक प्रोफेसर

हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग

भाषा, भाषाविज्ञान, संस्कृति एवं विरासत संस्थान

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

जांट–पाली, महेंद्रगढ़